

बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड ने रिटायर कर्मियों को दी विदाई

नई दृष्टिविंदु / मिलाई

बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने एक क्रमबद्ध समारोह में माह अगस्त में भिलाई स्टील प्लांट में सेवानिवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को सम्मान विदाई दी। इस दौरान भावुकता भर माहिलां में रिटायर कर्मियों ने अपनी भावना व्यक्त की। कुछ कर्मियों ने अपनी कविता भी सुनाई। सभी रिटायर सदस्यों का स्वागत करते हुए सोसाइटी के अध्यक्ष पूजन लाल देवांगन ने सम्मान पत्र, भिटाई, श्रीफल व अंतिम शुभान का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष पूजनलाल देवांगन ने कहा कि सोसाइटी के प्रति सदस्यों को भावनाएं ही हमारे कार्यों का प्रेरितक है।

इस दौरान रिटायर सदस्यों ने भी अपनी बातें रखीं। स्वीच्छक सेवानिवृत्त कर्मियों में मंश्री असंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शाप (मार्स-1) से महेश कुमार साहू ने कहा कि जब भी जरूरत पड़ी सोसाइटी से हमेशा तत्काल लोन मंजूर हुआ

और मिला। यहां तक कि उन्हें अपने विवाह के लिए भी लोन लेना पड़ा। एचआरडीसी से मनराखन लाल वर्मा ने कहा- सेक्टर-4 सोसाइटी ने हमेशा अपने सदस्यों से सतत संपर्क रखा। इस वजह से आमसभा हो या लाभांश वितरण, हमेशा समय पर सदस्यों को संदेश मिलता रहा। रिस्कन्टी मंटेरियल प्लांट-1 से के के तिकी ने कहा कि सोसाइटी सेक्टर-4 का वर्क कल्चर बहुत अच्छा है। जरूरत के वक सोसाइटी का सहयोग हमेशा रहा है।

रिस्कन्टी इंजीनियरिंग विभाग (आरईडी-1) से टी. जानकी राम ने कहा- अपने पारदर्शिता पूर्ण कामकाज की वजह से सेक्टर-4 सोसाइटी हमेशा अव्यल रही है। इंजीनियरिंग डिजाइन एंड ड्राइंग से कलेक्टर कुमार चोपड़ा ने कहा कि सेक्टर-4 सोसाइटी ने सदस्यता लेने से अब रिटायरमेंट के आखिरी माह तक हर कदम पर साथ दिया। अब अब पीछे हटते ही तबह चलाएंगी। रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से दिनेश कुमार धुवे ने कहा कि पूरे सेवाकाल में सोसाइटी के सभी पदाधिकारियों और कर्मियों का सहयोग सकारात्मक रहा।



ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑगोनाइजेशन से पृथ्वीराज गुप्तावर ने कहा कि शुरूआत में अधिकतम लोन 10 हजार रूप्य तक मिलता था अब तो 7 लाख तक पहुंच गया है। सोसाइटी की कार्यशैली हमेशा प्रभावित करती है। रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से गजानन ने कहा कि सोसाइटी की कार्यशाला ने हमेशा प्रभावित किया, यहां बहुत कम समय में सारी कागजी कार्यवाही पूरी हो जाती है। रिसर्च

इसलिए हमारे शाप में एक भी ऐसा कर्मी नहीं जो सोसाइटी को सदस्य न हो। रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से नान साई भगत ने कहा- सोसाइटी ने हमेशा एक सहयोगी की भूमिका निभाई। बार एंड राइड मिल से गणेश कुमार शर्मा ने कहा कि पूरे सेवाकाल में यहां का अनुभव हमेशा बेहतरीन रहा। रिस्कन्टी इंजीनियरिंग विभाग (आरईडी-1) से लालन प्रसाद दिवाकर ने कहा- सोसाइटी के लोन से ही उनके दोनों बच्चे पढ़ लिखकर जाब में लग गए, यही के लोन से घर बनाया।

समारोह में मंश्री असंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शाप (मार्स-1) से वीरेंद्र कुमार, हरीराल सोनी, जल प्रबंधन विभाग से यू.ए. ठाकुर, आर. के. पैकरा, कोओवन एंड कोल केमिकल विभाग से एम. अबाहम, जगदीश चंद्रपुरे, गणेश राम साहू, सिंटर प्लांट-3 से, लंदरी सिंह सावरिया, पंच राम साहू, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑगोनाइजेशन से नेतारम, विनोद कुमार सोरी, रिस्कन्टी इंजीनियरिंग विभाग (आरईडी-1) से रमा शंकर, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से हराधन घर, जी. बलैया,

रिसर्च एंड कंट्रोल लैब से शरद कुमार धुवे, हैवी मेटलस (इक्विपमेंट्स) से मनमोहन सिंह यादव, सिंटर प्लांट-2 से शाम सिंह कोमरे, स्टील मॉल्टिंग शाप-2 से अशोक कुमार गुप्ता, एंशर शाप से मनसुख पतलहरे, इंट्रुमेंटेशन (ओ) से राणा प्रताप सिंह, वसंत राव मेश्राम, प्लेट मिल से नोहरी राम, सौंड आरईडी से कुलभूषण भटनागर, मर्कट कुमार कर्मह, स्टील मॉल्टिंग शाप-3 से संजीवा कुमार मिश्रा, फाइनेंस एंड अकाउंट्स से गगन गोयल, मर्बेट मिल से सुरेश एन.टी. पीईएम से रुद्र प्रताप सिंह और टीडी (सिविल) से अरुण कुमार चौधरी भी शामिल हुए। इस अवसर पर सोसाइटी परिवार से उपाध्यक्ष असमा पर्वीन, अशोक राठौर, संचालक मंडल सदस्य विपिन बंछेर, सनानंद चंद्रकार, शशिभूषण ठाकुर और नितीशा साहू तथा सोसाइटी के कर्मियों में मैनेजर सुदीप बनर्जी, प्रिण्ठ कर्कर, नारायण साहू एवं सुरेश कुमार सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। मंच संचालन संचालक वेद प्रकाश सुर्ववंशी और आभार प्रदर्शन संचालक पुरुषोत्तम सिंह कंवर ने किया।

खास खबर

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई: एक दिन में अठेध शराब के 21 मामलों में 21 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग



अठेध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने 20 सितंबर को एक ही दिन में 21 प्रकरण दर्ज कर 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिले के कुम्हार, सिटी कोतवाली, नंदिनी, पावन, उआई, दुर्ग, जेवरा सिरसा और नेवई थाना क्षेत्रों में पेट्रोलिंग और मुखबिर सूचना के आधार पर कार्रवाई की।

थाना कुम्हार: आरोपी सैमन साहू से 29 नम देशी शोले मसाला (5.20 बल्क लीटर) कीमत 2000 रु और बिज्जी रकम 200 रु जप्त। थाना सिटी कोतवाली: आरोपी देवेन्द्र साखी उर्फ दाऊ अंडा से 29 नम देशी मोदर (24 शोले + 05 शेरा मसाला) कीमत 2900 रु और 150 रु नकद जप्त। अन्य थानों में सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन और अवैध बिज्जी के मामले दर्ज कर आवकरी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में एकदुजलाल धुव, आरक्षक दशरथ सेठी और राजेश धुव की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने जतना से अपील की है कि अवैध शराब बिक्री या सार्वजनिक स्थान पर सेवन की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

इस्पात नगरी के बांग्ला साहित्यकार पल्लव को अंतरराष्ट्रीय वैश्विक राजदूत सम्मान

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के वरिष्ठ बांग्ला साहित्यकार एवं कवि पल्लव चटर्जी को साहित्य, समाज और वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान में उनके विशेष योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच द्वारा सम्मानित किया जाएगा। डॉ. राजीवजी एडमो और साहित्यिक सार्वभौमिक सौनेटर-एवेल इडमिनोवो द्वारा संचालित साहित्यिक मंच 'अफ्रीकन पोपुटी जायंट' और 'इडमिनोवो एम्पायर' में पल्लव चटर्जी को वैश्विक साहित्य एवं वैश्विक राजदूत सम्मान से विभूषित करने की घोषणा की है। इस वैश्विक पहचान से साहित्यिक विरासत में बंध का माहौल है। सौनेटर-एवेल इडमिनोवो

नाइजीरिया के एक ख्यातिमान उद्यमी, साहित्यिक संरक्षक तथा इडमिनोवो एम्पायर एवं 'अफ्रीकन पोपुटी जायंट' के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। उनका एक मंच वैश्विक स्तर पर अफ्रीकी साहित्य, विविध सांस्कृतिक विधाओं, वैश्विक कविता प्रतिगतिताओं और विश्व भर के उभरते तथा स्थापित रचनाकारों को एक समूह मंच प्रदान करने के लिए जाना जाता है। सौनेटर इडमिनोवो का यह डिजिटल एवं साहित्यिक नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कवियों को मंच देते, साहित्यिक गतिविधियों का संचालन करके और वैश्विक सांस्कृतिक समन्वय स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सौनेटर इडमिनोवो ने पल्लव चटर्जी के कृतित्व की सराहना करते हुए उन्हें वैश्विक साहित्यिक राजदूत के रूप में मान्यता दी है। सम्मान की घोषणा पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पल्लव चटर्जी ने सौनेटर-एवेल इडमिनोवो और 'अफ्रीकन पोपुटी जायंट' का आधार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि भिलाई की समृद्ध साहित्यिक परंपरा और भारतीय साहित्य का सम्मान है।

टाइम मैगजीन - स्टेटिस्टा सर्वे में रअछ देश के बेस्ट एम्प्लॉयर्स में 25वें स्थान पर

भिलाई। नई दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन और स्टेटिस्टा द्वारा किए गए 'वर्ल्ड्स बेस्ट एम्प्लॉयर्स' सर्वेक्षण में बड़ी उपलब्धि मिली है। भारत के शीर्ष 500 एम्प्लॉयर्स में सेल को 25वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह रैंकिंग देशभर के कर्मचारियों से प्राप्त व्यापक सर्वे पर आधारित है, जिसमें कर्मचारियों से अपने संगठन और अपने क्षेत्र के अन्य नियोक्ताओं की अनुशंसा करने की इच्छा के संबंध में राय ली गई।

यह सम्मान सेल द्वारा कर्मचारी-केंद्रित संगठन के निर्माण और बेहतर कार्य वातावरण के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की पहचान है। सेल द्वारा कर्मचारी कल्याण, सहभागिता, सीखने एवं विकास और व्यावसायिक विकास के अवसरों से संबंधित विभिन्न पहल संचालित की जा रही है। अपने एकोनट इम्पल संर्गर्ज, क्दनाओं और अन्य इकायों में कार्यरत कर्मचारियों के साथ सेल समावेशी और प्रतिशोशल कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है।

पुरानी रंजिश में हत्या के प्रयास के 2 फरार आरोपी गिरफ्तार



नई दृष्टिविंदु / मिलाई

थाना भिलाई में गिर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चले रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस केस में कुल 4 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। 102 जुलाई

2026 को प्रार्थी योगेश सुर्ववंशी सेक्टर-6 पेट्रोल पंप से पेट्रोल भराकर घर लौटे रहने। DPS चौक के पास आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते पीछे से हमला कर उसे बाइक से गिरा दिया और धारदार हथियार व डंडे से मारपीट कर हत्या का प्रयास किया। मामले में अपराध

क्र. 360/2026 धारा 109(1), 296, 3(5), 61(2) इस्त्र के तहत केस दर्ज किया गया था।

मुखबिर सूचना और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने फरार आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी में प्रखर चक्रवर्ती (26) निवासी नेवई, दुर्ग - आदान अपराधी, पूर्व में 12 आपराधिक प्रकरण दर्ज। सुधांशु उर्फ बॉम्बेसी (23) निवासी रिसाली, दुर्ग। इससे पहले आरोपी अमन मूर्ति और हरीश पटनायक को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने शराब में प्रयुक्त धारदार हथियार, डंडा और मोटरसाइकिल बरामद कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया।

शराब पीते की दौरान विवाद, युवक की ईट-पत्थर से पीट-पीटकर हत्या, मामा-भांजा हिरासत में

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र के बाई-22 कुरुद बाजार चौक में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

पुलिस ने हत्या के आरोपी समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है।

मृतक की पहचान 40 वर्षीय पुरण भारती के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उईर का रहने वाला था। जाकार की अनुसंधान वार्ड-22 में एक कमरे में मामा मनीष बघेल और भांजा राज जोशी बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान मनीष का दोस्त पुरण भारती वहां पहुंचा। शराब पीने के दौरान तीनों के बीच आपसी कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि राज जोशी ने गुस्से में आकर पुरण के सिर पर ईट और पत्थरों से तावड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में पुरण की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी के मामा मनीष बघेल ने खुद ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और मामा-भांजा दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चंदूलाल चंद्रकार मेडिकल कॉलेज, कच्छाद भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्य के दौरान सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया तथा उनके योगदान और सेवाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

लाल मैदान पावर हाउस भिलाई में आयोजित होने वाले शराबीय नवरात्र उत्सव 2026 के लिए लाल मैदान दुर्गात्सव समिति ने धार्मिक परंपरा के अनुसार आमंत्रण यात्रा शुरू की है।

समिति ने सबसे पहले प्रथम पूज्य श्री गणेश जी की नवरात्र उत्सव का प्रथम आमंत्रण देकर निर्विघ्न सफलता का आशीर्वाद लिया था। इसी क्रम में समिति का प्रतिनिधिमंडल रिवियर की डोंगरगढ़ की पहाड़ियों पर स्थित मां बल्लेश्वरी धाम पहुंचा। सेवादायों ने मां के श्रीचरणों में विधिवत पूजन कर नवरात्र उत्सव का आमंत्रण

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वारा और पूर्व महापौर आरएन वर्मा ने रविवार को मोहन नगर थाना भवन का निरीक्षण कर उसकी सज्जा और बदहाल स्थिति पर गंभीर नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान थाना भवन के कार्यालय और कैदी कक्ष सहित कई हिस्सों में पानी भरने तथा छत से पानी टपकने की स्थिति सामने आई। भवन की हालत देखकर वारा ने कहा कि जो पुलिसकर्मी दिन-रात शहरवासियों की सुरक्षा में तैनात रहते हैं, आज वही खुद असुरक्षित और जर्जर भवन में काम करने को मजबूर हैं।

अरुण वारा ने कहा कि मोहन नगर थाना भवन के संधारण और मरम्मत के लिए 64 लाख की राशि स्वीकृत होने की जानकारी सामने आई है। इसके बावजूद यह मौके पर उपकने और संधारण का काम दिखाई नहीं दे रहा है, तो यह गंभीर लापरवाही का विषय है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की अपेक्षा की

स्वीकृत राशि का उपयोग कर और किराई में किया गया? यदि राशि उपलब्ध है तो काम शुरू करने में देरी क्यों का रही है?

उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान थाना भवन में पानी भरना और छत से पानी टपकना कोई सामान्य स्थिति नहीं है। यह पुलिसकर्मियों के साथ-साथ थाना पहुंचने वाले साधन नागरिकों की सुरक्षा और सुविधाओं से भी जुड़ा गंभीर विषय है। प्रशासन को कागजों में कार्रवाई दिखाने के बजाय मौके पर काम दिखाई देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रशासन तत्काल मोहन नगर थाना भवन का तकनीकी निरीक्षण करके आवश्यक मरम्मत और संधारण कार्य शुरू करे। अब सिर्फ मरम्मत के लिए 64 लाख की राशि स्वीकृत होने की जानकारी सामने आई है। इसके बावजूद यह मौके पर उपकने और संधारण का काम दिखाई नहीं दे रहा है, तो यह गंभीर लापरवाही का विषय है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की अपेक्षा की

सेवा ही संकल्प और स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत तालाबों में विशेष सफाई अभियान

नई दृष्टिविंदु / मिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में सेवा ही संकल्प एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता दीर्घियों एवं सफाई मित्रों द्वारा तालाबों की विशेष साफ-सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत निगम क्षेत्र के विभिन्न तालाबों में जमा कचरा, पूजा सामग्री एवं अन्य अपशिष्ट को निकालकर तालाबों की स्वच्छ एवं साफ रखने का कार्य किया जा रहा है।

त्व्हीरारी सीजन को देखते हुए तालाबों में पूजा सामग्री एवं निर्माल्य के रूप में जमा होने वाले कचरे की नियमित सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वच्छता दीर्घियों तालाबों के आसपास एवं जल क्षेत्र से कचरा एकत्र कर उसका उचित निपटारा कर रही हैं, जिससे तालाबों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित हो सके।



इसी क्रम में सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से सफाई मित्रों की स्वच्छता



निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि तालाबों में कचरा एवं पूजा सामग्री न डालें तथा स्वच्छता अभियान में सहयोग

करते हुए तालाबों एवं आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सहभागिता निभाएं।

प्रथम पूज्य गणेश जी के बाद माँ के दरबार पहुँची लाल मैदान दुर्गात्सव समिति

नई दृष्टिविंदु / मिलाई - डोंगरगढ़ - रंजनागोला।

लाल मैदान पावर हाउस भिलाई में आयोजित होने वाले शराबीय नवरात्र उत्सव 2026 के लिए लाल मैदान दुर्गात्सव समिति ने धार्मिक परंपरा के अनुसार आमंत्रण यात्रा शुरू की है।

समिति ने सबसे पहले प्रथम पूज्य श्री गणेश जी की नवरात्र उत्सव का प्रथम आमंत्रण देकर निर्विघ्न सफलता का आशीर्वाद लिया था। इसी क्रम में समिति का प्रतिनिधिमंडल रिवियर की डोंगरगढ़ की पहाड़ियों पर स्थित मां बल्लेश्वरी धाम पहुंचा। सेवादायों ने मां के श्रीचरणों में विधिवत पूजन कर नवरात्र उत्सव का आमंत्रण



अर्पित किया और लाल मैदान पधारने की प्रार्थना की। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने छोटों मां बल्लेश्वरी के दरबार और फिर राजगढ़गढ़ स्थित मां पाताल भैरवी मंदिर में भी आमंत्रण अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति ने बताया कि हर वर्ष लाल मैदान में समृद्धि की कामना की।

मन में बरसों से बसी थी रामलला के दर्शन की आस, साय सरकार की योजना से पूरा हुआ डोमन-पार्वती का सपना

कबीरधाम के दंपती ने विशेष ट्रेन से पहुंचकर किए रामलला और बाबा विश्वनाथ के दर्शन

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के केंद्रों तक पहुंचने का सफ़र आज सुविधाजनक माध्यम बन रही है। कबीरधाम जिले के ग्राम बवंई निवासी डोमन साहू और उनकी पत्नी श्रीमती पार्वती साहू के लिए यह यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि वर्षों से मन में संजोए एक सपने के साकार होने का अवसर बनी।

डोमन साहू बताते हैं कि प्रभु श्री राम के दर्शन की इच्छा उनके मन में लंबे समय से थी। परिवार का आर्थिक एवं अन्य परिस्थितियों के कारण वे अयोध्या धाम जाकर रामलला के दर्शन नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना उनके लिए आशा और अवसर लेकर आई। योजना के माध्यम

से उन्हें अपनी पत्नी श्रीमती पार्वती साहू के साथ अयोध्या धाम जाने और प्रभु श्री रामलला के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। साथ ही उन्होंने काशी विध्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन भी किए।

श्री डोमन साहू ने कहा कि वर्षों से मन में रामलला के दर्शन की इच्छा थी। जब पत्नी के साथ अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन किए तो मन भावुक हो गया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को इस योजना ने उनके जैसे सामान्य परिवारों के लिए तीर्थयात्रा को आसान बनाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर में रामलला के दर्शन का अवसर मिलना उनके लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय अनुभव है। 122 जनवरी 2024 को अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री रामलला की



प्राण-प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक आयोजन हुआ था। इस ऐतिहासिक अवसर के बाद अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन के लिए देवस्थान से श्रद्धालुओं का निरंतर आगमन हो रहा है। इसी आस्था को छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना श्रद्धालुओं के लिए यात्रा की सुविधाओं से जोड़ रही है। श्रद्धालुओं को कचहरी से दुर्ग रेलवे स्टेशन निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके बाद विशेष ट्रेन से उन्हें काशी एवं अयोध्या धाम ले जाया गया। पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भोजन, नास्ता और चाय की व्यवस्था के साथ स्वास्थ्य सुविधा के लिए चिकित्सकीय दल की व्यवस्था भी की गई।

श्रद्धालुओं ने काशी विध्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के साथ अयोध्या धाम पहुंचकर श्री रामलला के दर्शन किए। लंबे समय से तीर्थयात्रा की इच्छा रखने वाले अनेक श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा आस्था,

श्रद्धा और आत्मिक संतोष का अनुभव लेकर आई। डोमन साहू और श्रीमती पार्वती साहू की कहानी इस बात की एक झलक है कि वह धार्मिक आस्था से जुड़ी यात्रा में परिवहन, भोजन और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों, तो सामान्य परिवार भी अपने वर्षों पुराने तीर्थदर्शन के सपने को पूरा कर सकते हैं। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना इसी उद्देश्य से श्रद्धालुओं को व्यवस्थित रूप से अयोध्या धाम और काशी की यात्रा का अवसर प्रदान कर रही है। डोमन साहू दंपती के लिए अयोध्या की यह यात्रा अब उनके जीवन की ऐसी स्मृति बन गई है, जिसे वे लंबे समय तक संजोकर रखेंगे। वर्षों से मन में बसे रामलला के दर्शन का सपना जब अपनी पत्नी के साथ पूरा हुआ, तो उनके लिए यह यात्रा आस्था के साथ-साथ जीवन के एक अधुरे संकल्प के पूर्ण होने का भावुक अवसर भी बन गई।

खास खबर

लघु उद्योगों और एमएसएमई को मजबूत बनाकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का रोडमैप तैयार कर रही सरकार : वित्त मंत्री चौधरी

नई दृष्टिविंदु / रायपुर



वित्त मंत्री ओपी चौधरी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित 14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में एमएसएमई, स्टार्टअप, उद्योग, रोजगार और निवेश को संभालनाओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण देश का लक्ष्य और ध्येय है। इसी विकास यात्रा में छत्तीसगढ़ भी देश के अग्रणी राज्य के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार दीर्घकालिक रोडमैप के साथ काम कर रही है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण के लिए स्पष्ट रोडमैप के साथ कार्य प्रारंभ किया है। विकास के साथ देश को विरासत और सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त बनाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अब लंबी छलांग लगाए ने के लिए तैयार है और आगे वाले वर्षों में देश के विकास की गति को और तेज करने के लिए संरचनात्मक सुधारों तथा दीर्घकालिक नीतियों को आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ और निवेश इकोसिस्टम के माध्यम से 2047 के विकास का रोडमैप विरा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजना विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए अंजोर विजन डॉक्यूमेंट तैयार कराया गया है। इसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण को प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि राज्य को देश के साथ कदमताल करते हुए अग्रणी राज्य की श्रेणी में आगे बढ़ना है और राज्य के विकास के सहारा में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 का लक्ष्य केवल दृष्टान्तगत लक्ष्य नहीं है। इसके लिए 2030 और 2035 जैसे माध्यकालिक लक्ष्यों के साथ अल्पकालिक और वार्षिक लक्ष्य भी निर्धारित किए जा रहे हैं, ताकि दीर्घकालिक विजन को चरणबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जा सके।

दीर्घकालिक सोच के साथ अग्रणी सुधारों पर जोर

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि देश के विकास के लिए दीर्घकालिक योजना और भविष्य को ध्यान में रखकर नीतियां बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले भी 21वीं सदी और विजन 2020 जैसे लक्ष्य निर्धारित किए, लेकिन उनसे अनुकूल दीर्घकालिक रोडमैप और आवश्यक नीतिगत सुधारों का अभाव रहा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1991 का आर्थिक संकट देश के लिए भीषण चुनौती था और उस दौर की आर्थिक परिस्थितियों से सफल होते हुए भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत आधार तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप अनेक क्षेत्रों में दीर्घकालिक निर्माण लिए जा रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में बड़े निवेश सीधे व्यापक विकास एट्रैक्टर का हिस्सा हैं। इनका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की नींव तैयार करना है।

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में विविध संकेतक ता तेजी से विस्तार हुआ है, लेकिन मैनुफैक्चरिंग और सिविल रूप से लेकर इंटरसि मैनुफैक्चरिंग को और विस्तार देने की आवश्यकता है। रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने के लिए लघु उद्योगों, एमएसएमई और विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि छोटे उद्योग विशेष रूप से रोजगार और उद्यमिता के अवसर पैदा करने के साथ-साथ संपन्न चैन को मजबूत करते हैं। इसीलिए प्रदेश में एमएसएमई, स्टार्टअप, विनिर्माण, निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए अतृकूल औद्योगिक वातावरण तैयार करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। श्री चौधरी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में उद्योग जगत, उद्यमियों और लघु उद्योगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार का प्रयास है कि नीतिगत सुधारों, निवेश के अतृकूल वातावरण और उद्यमिता को प्रोत्साहन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता को नई गति दी जाए।

वीबी-जीरामजी से अब हांगों 375 प्रकार के अनुमेय कार्य – उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास को रोजगार, आजीविका और स्वायत्ती परिकल्पनाओं के निर्माण से जोड़ने की दिशा में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत अनुमेय कार्य की संख्या अब 318 से बढ़ाकर 375 कर दी गई है। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने अनुमेय कार्य की संख्या में वृद्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि वीबी-जीरामजी के अंतर्गत अनुमेय कार्य की संख्या 318 से बढ़कर 375 होने से विकास कार्यों को प्रति प्राप्त होगा और ग्रामीण विकास सुदृढ़ होगा। छत्तीसगढ़ शासन ने मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 4 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान का लाभ केवल मजदूरी भुगतान समी सहित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से गांवों में रोजगार के परिस्थितियों का निर्माण होगा, जो आगे वाले वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं



को मजबूत करेंगी।

श्री शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए वीबी-जीरामजी के तहत 3,354.85 करोड़ रुपये का अंतर्गत आवंटन प्रदान किया गया है। मिशन के अंतर्गत अनुसूचित श्रमिकों की मजदूरी दर 261 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन की गई है। रोजगार के दिनों में वृद्धि, मजदूरी दर में सुधार और स्वायत्ती परिकल्पनाओं के निर्माण का यह समन्वय ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा तथा गांवों के समग्र विकास को नई गति देगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत/2047 की

परिकल्पना में गांवों को विकास की केंद्रीय इकाई के रूप में महत्व दिया है। वीबी-जीरामजी के माध्यम से रोजगार, आजीविका, जल संरक्षण, कृषि उत्पादनकता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अधोसंरचना को एक साथ जोड़ने का प्रयास इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ग्रामीण विकास को नई दिशा मिली है।

व्यवहार और से मिलेगी अनुमेय कार्यों की जानकारी: उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि वीबी-जीरामजी के अंतर्गत 375 अनुमेय कार्य की 4 मुख्य श्रेणियां हैं और 30 उप-श्रेणियां में व्यवस्थित श्रेणी हैं। इनमें 68 प्रकार के व्यक्तिगत कार्य, 99 प्रकार के मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्य तथा समूह और सामुदायिक उद्यमिता से जुड़े कार्य शामिल हैं। अनुमेय कार्यों की जानकारी न्यूनेक ग्रामीण तक आसानी से पहुंचे, इसके लिए राज्य में व्यवहार कोड भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से ग्रामीण अनुमेय कार्यों को विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

2027 तक हर बालिका के लिए स्कूलों में प्रौद्योगिकी लक्ष्य: वीबी-जीरामजी की कार्य-सूची में शासकीय विद्यालयों की अधोसंरचना को विशेष महत्व दिया गया है। विद्यालयों में शौचालयों की मरम्मत, अतिरिक्त कक्षा का निर्माण, प्रयोगशालाएं, रसोई शेड, परिसर की दीवार और खेल मैदान जैसे कार्य इसके अंतर्गत किए जा सकेंगे। इसी दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा मेरी बेटी-मेरा अभिमान अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 26 जनवरी 2027 तक ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में 6,671 बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। यह पहल बालिकाओं की गरिमा, स्वच्छता और विद्यालयों में बेहतर सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हर गांव में मुक्तिधाम और प्रदीवासी क्षेत्रों दिशा में आगे बढ़ रहा राज्य: ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक सामुदायिक अधोसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा हर गांव में मुक्तिधाम निर्माण का संकल्प लिया गया है। 16,524 गांवों में

प्रदीवासी सहित मुक्तिधाम के निर्माण को दिशा में कार्य किया जा रहा है। वीबी-जीरामजी में प्रमाण घाट तथा अनुसुमादिक अधोसंरचना से संबंधित निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की भी अनुमेय बनाया गया है। इसके अतिरिक्त जल संरक्षण को, प्राथमिकता देने हुए वर्ष के 10 हजार से अधिक बंध अथवा डिफेंडर बोरेवलों में डैम फिल्टर एवं रिजार्ज संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा।

जल सुरक्षा से लेकर भूजल पुनर्निर्माण तक: अनुमेय कार्यों की पहली मुख्य श्रेणी में जल संरक्षण और जल सुरक्षा से जुड़े कार्य शामिल हैं। इनमें नहर, बांध नियंत्रण चैनल, चेकडैम, गली चान, भूमिगत चैनल, तालाबों का पुनर्जीवन, परकोलेजन कंट्रोल, रिजार्ज पिट और रिजार्ज बांध, ड्रिनेजेशन वेल्, सिंचाई कुएं, माइक्रो एवं ड्रिप सिंचाई चैनल, वाररशेड भूमि का पुनरुत्थार, वनीकरण एवं पौधरोपण, मृदा-नमी संरक्षण तथा रूफटॉप वॉटरलू संरक्षण जैसे कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से गांवों में जल संकट समाप्त बढ़ाने, भूजल पुनर्निर्माण, सिंचाई सुविधा के विस्तार और कृषि भूमि को उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत

और सामुदायिक दोनों स्तरों पर जल संरक्षण से जुड़ी संरचनाओं के निर्माण एवं रखरखाव को भी इसमें स्थान दिया गया है।

कार्यों की दूसरी मुख्य श्रेणी में ग्रामीण अधोसंरचना से संबंधित हैं। इसमें ग्रामीण सड़कें, पुलिया एवं क्रांश-ड्रेनेज संरचनाएं, ग्राम संपर्क सड़कें, ग्राम पंचायत भवन, आंगणवाड़ी केंद्र, ग्रामीण पुस्तकालय, सार्वजनिक भवन, स्कूल अधोसंरचना, रसोई शेड, अतिरिक्त कक्षा, प्रयोगशालाएं, स्कूल परिसर की दीवारें और खेल मैदान जैसे कार्य शामिल हैं। इसके साथ प्रमाण घाट, कब्रिस्तान, दोस एवं तलर अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता परिसर, अपशिष्ट उपकरण एवं संवर्धन केंद्र, सीर प्रकाश व्यवस्था, बायोगैस प्लांट, पॉकिंग एवं परिवहन शेड सहित अन्य सामुदायिक सुविधाओं के निर्माण और विकास को भी अनुमेय कार्यों में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत अनुमेय ग्रामीण आवास कार्य तथा जल जीवन मिशन के तहत निर्मित जलपूर्ति परिकल्पनाओं की मरम्मत एवं रखरखाव भी इस श्रेणी में शामिल हैं।

खैरागढ़ विश्वविद्यालय के कक्षाओं ने चक्रदार समारोह में सजाया शास्त्रीय नृत्य का मंच

नई दृष्टिविंदु / रायपुर-रायगढ़

रायगढ़ में आयोजित 41वें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्र पर समारोह-2026 की सातवीं सांस्कृतिक संस्था में इंदिरा का संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के नृत्य संघ के लिए विद्यार्थियों ने ओडिसी, भरतनाट्यम और कथक की मनोहारी प्रस्तुतियों से मंच को शास्त्रीय नृत्य के विविध रंगों से सजा दिया। भाव, लय, ताल और नृत्य मुद्राओं के सुंदर समन्वय ने समारोह में मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक संस्था की शुरूआत ओडिसी नृत्य विभाग के विद्यार्थियों की गणेश वंदना से हुई। एकदली लम्बोदर विष्णुनिशाको देवा की भावपूर्ण प्रस्तुति में जया निर्मलकर, सुधा योजन, प्रज्ञा प्रसाद, मीरा वर्मा, रूपा प्रसाद, लीना धनकर और रिकी डेडू ने नृत्य मुद्राओं के माध्यम से भगवान गणेश की

आराधना को जीवंत किया। प्रस्तुति का नृत्य निर्देशन सुशान्त कुमार दास ने किया।

इसके बाद भरतनाट्यम विभाग के विद्यार्थियों ने नृत्यांजलि प्रस्तुत कर शास्त्रीय नृत्य की भाव-योगिताओं और लयकारी का मनोहारी प्रदर्शन किया। लावण्या आनंद द्वारा रचित इस प्रस्तुति का लयकारी अरुण मैदिनी होम्बल एवं होरिल गौर ने किया। प्रस्तुति में होरिल गौर, प्रांति चौधरी, खुशबू भुमिप, अनुकूलि सिंह, अवनि जैन, अतिथि शर्मा, अंजलि चौहान और यामिनी निषाद ने सहभागिता की।

भारत के रंग में दिखी सांस्कृतिक विविधता

संस्था की प्रमुख प्रस्तुतियों में भारत के रंग ने विशेष आकर्षण पैदा किया। भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी जैसी शास्त्रीय नृत्य शैलियों के माध्यम से वंदे मातरम् की



भावभूमि को मंच पर साकार किया गया। अलग-अलग नृत्य शैलियों की विशिष्ट विविधता को सुंदर झलक प्रस्तुत हुई। इसका

नृत्य निर्देशन सुशान्त कुमार दास तथा सह-निर्देशन होरिल गौर ने किया। कार्यक्रम के अगले क्रम में कथक विभाग के शोभायित्री एवं विद्यार्थियों ने स्वर्णीय संग, विरग महाराज द्वारा राग हंसध्वनि और तीनताल में रचित प्रसिद्ध शंकर पावती संग पर आधारित शिव वंदना प्रस्तुत की। कथक की लयकारी, पद संचालन और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य स्वरूप को मंच पर साकार किया गया। खैरागढ़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने इन प्रस्तुतियों ने चक्रदार समारोह की सातवीं सांस्कृतिक संस्था को शास्त्रीय नृत्य की विविधता और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के रंगों से समृद्ध किया। विद्यार्थियों की साधना, प्रयत्न और सांस्कृतिक कलाओं की जीवंत परंपरा को प्रभावी ढंग से समाने रहा।

बच्चों ने रंगों और शब्दों में रचा अपने सपनों का भारत

बच्चों की रचनाओं में देश के विकास को लेकर उनकी सोच और कल्पनाशीलता साफ नजर आई। रंगों और शब्दों के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि वे आगे वाले वर्षों में भारत को किस रूप में देखना चाहते हैं। पालकों और शिक्षकों ने बच्चों की रचनात्मकता की सहानुभूति करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। प्रतिवर्गिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत रायगढ़ के पुरीय विकास प्रखंड के स्कूलों में आयोजित गंगा पालक-शिक्षक सम्मेलन में बच्चों ने मेरे सपनों का भारत विषय पर अपनी कल्पनाओं को पिचर और शब्दों के जरिए जीवंत कर दिया। प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में आयोजित इंड्रान, पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सेवा-विगत 25 वर्ष और सभना-आगामी 25 वर्ष की थीम पर बच्चों ने देश की विकास यात्रा, विकास के भारत की अपनी कल्पना के रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुतियों में स्वच्छ भारत, डिजिटल इंडिया, विकसित भारत-2047, महिला सशक्तिकरण, सेना का शौर्य, नक्सल मुक्त भारत, नया कर्मभर, कृषि वृद्धिमाना और आधुनिक तकनीकी जैसे विषय प्रमुख रहे। बच्चों की रचनाओं में देश के







ड्रेस के मुताबिक कैसी हो इयररिंग

अधिकतर लड़कियों को इयररिंग काफ़ी पसंद आते हैं। यह आपके ट्रेडिशनल ड्रेस को एक बेहतरीन लुक देने में मदद करते हैं। अगर आप भी हमेशा नए स्टाइल के इयररिंग कैरी करना पसंद करती हैं, तो हम आपको इस लेख में ड्रेस के मुताबिक इयररिंग के बारे में बता रहे जिन्हें आपनाकर आप परफेक्ट लुक पा सकती हैं।

सिपल सूट को एकदम नया लुक देने के लिए अधिकतर महिलाएं इयररिंग कैरी करना चाहती हैं, क्योंकि एक परफेक्ट और ड्रेस के हिसाब से इयररिंग पहनने से आपका पूरा लुक ही बदल जाता है। यदि आपने लाइट कलर की कोई ड्रेस पहनी है, तो आप छोटे मोती वाले ड्रमके इसके साथ पहन सकती हैं। यदि आप ज्यादा हैवी इयररिंग पहनना पसंद नहीं करती हैं, तो आपके लिए ये इयररिंग बिल्कुल परफेक्ट हैं। फंक्शन में अवसर महिलाएं ट्रेडिशनल ड्रेस पहनना पसंद करती हैं। वहीं यदि आप इसके साथ ड्रेस के हिसाब से इयररिंग पहनती हैं, तो ये आपके लुक को बेहद खूबसूरत बना देता है। आप ट्रेडिशनल ड्रेस के साथ गोल्डन इयररिंग कैरी कर सकती हैं। इनका फैशन एवरग्रीन है और सिपल लहंगे को भी सुंदर बनाने के लिए इस तरह के इयररिंग बिल्कुल परफेक्ट रहते हैं। अगर आप सिपल सी प्रिंटेड साड़ी पहनती हैं, तो इनके साथ सिपल ड्रमके कैरी कर सकती हैं। आप सिल्वर कलर के सिपल ड्रमके इसके साथ पहन सकती हैं। इसके अलावा सिल्वर कलर के इयररिंग भी कैरी कर सकती हैं। इयररिंग के साथ नेकलेस आजकल काफ़ी पसंद किया जा रहा है। जिसका लुक भी बहुत बढ़िया आता है। इसके लिए आप अपने ड्रेस के हिसाब से इयररिंग पहनें। बस ख्याल इस बात का रखें कि जब भी आप हैवी इयररिंग और नेकलेस पहन रही हैं, तो लाइट मेकअप करें। ताकि आपका लुक बैलेंस हो सके। सिपल कुर्ती के साथ चांदबालियों का फैशन काफ़ी ट्रेंडिंग है। इसे अधिकतर महिलाएं पसंद करती हैं। यदि आप नियमित कुर्ती कैरी करना पसंद करती हैं, तो आप स्टोन वाली चांदबाली पहन सकती हैं। इसके अलावा आप चांदबाली को सूट और लहंगे के साथ भी कैरी कर सकती हैं।



पुरुषों से ज्यादा महंगे क्यों होते हैं महिलाओं के सामान?

समझिए पिंक टैक्स का पूरा गणित

शॉपिंग तो हम सभी करते हैं। आप चाहें अपने लिए खरीदारी कर रही हो या पति, बेटे और भाई के लिए ही क्यों न शॉपिंग करती हों, एक चीज आपने नोटिस जरूर की होगी कि एक ही कंपनी का रंजर, परफ्यूम, शैंपू या डियोडोरेंट महिलाओं का ज्यादा महंगा मिलता है जबकि पुरुषों के सामानों की कीमत कम होती है। इतना ही नहीं, सैलून में हेयरकट, कुछ कपड़ों की ड्राई क्लीनिंग और कई दूसरी फैसिलिटीज के लिए भी महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा पैसे देने पड़ते हैं। इसे ही पिंक टैक्स कहा जाता है। नाम में टैक्स जरूर है, लेकिन यह गवर्नमेंट नहीं लेती है। दरअसल, यह एक तरह का एक्स्ट्रा खर्च है, जो महिलाओं के लिए बनाए गए सामान और सेवाओं की कीमत से जुड़ जाता है। आइए जानते हैं कि आखिर पिंक टैक्स क्या है और इसका असर महिलाओं की जेब पर कैसे पड़ता है?

क्या है पिंक टैक्स

सबसे पहले यह जान लेना चाहिए कि पिंक टैक्स कोई सरकारी टैक्स नहीं है। यह बाजार में अर्पण जाने वाली ऐसी प्राइसिंग है, जिसमें महिलाओं के लिए बनाए गए सामान या सेवाओं की कीमत पुरुषों के सामानों से थोड़ी ज्यादा रखी जाती है। यानी अगर दो प्रोडक्ट एक जैसा काम करते हैं, लेकिन उनमें से एक पर For Women लिखा है या उसकी पैकेजिंग अलग है, तो उसकी कीमत कई बार ज्यादा हो सकती है।

एक एग्जांपल से समझिए

मान लीजिए आप और आपका कोई मेल फ्रेंड एक ही कंपनी का फुटवियर खरीदते हैं। उसका फुटवियर 700 का होगा, जबकि आपका 1000 रुपये का मिल रहा है। दोनों के ब्राइड एक जैसे ही हैं। सब फर्क

सिर्फ रंग, पैकेजिंग या मार्केटिंग का है। यही एक्स्ट्रा कीमत पिंक टैक्स का सबसे आसान एग्जांपल है।

किन-किन चीजों में

दिखता है पिंक टैक्स?

पिंक टैक्स सिर्फ फुटवियर के ऊपर ही नहीं लगाया जाता है। रोजाना इस्तेमाल होने वाली कई चीजों में आपको पिंक टैक्स देना पड़ता है। जैसे-

- रंजर, शैंपू, साबुन और डियोडोरेंट
- लिफ्टिंग क्रीम, नेल पेंट और दूसरे ब्यूटीशियन प्रोडक्ट
- कुछ तरह के कपड़े और एसेसरीज
- सैलून में हेयरकट और दूसरी सर्विस
- कुछ जगहों पर ड्राई क्लीनिंग की कीमत
- लड़कियों के लिए बनाए गए कुछ टॉयज और सॉडफिक

फैशन और ब्यूटी में भी बढ़ जाता है खर्च

ये तो आपने देखा ही होगा कि महिलाओं के कपड़े, फुटवियर और फैशन से जुड़ी कोई भी चीज हो, तो वह पुरुषों के मुकाबले महंगी होती है। ऐसे समझें कि कई महिलाओं की जींस की जेब इतनी छोटी होती है कि उसमें मोबाइल तक ठीक से नहीं आता है। जबकि पुरुषों की जेब बड़ी होती है। ऐसे में आपको अलग से हैंडबैग खरीदना पड़ता है, जो कि एक आपका एक्स्ट्रा खर्च है। इसी तरह स्किन केयर, फैशियल, लेजर हेयर रिमूवल और दूसरे ब्यूटी ट्रीटमेंट भी लगातार खर्च बढ़ते रहते हैं।

चीज हो, तो वह पुरुषों के मुकाबले महंगी होती है। ऐसे समझें कि कई महिलाओं की जींस की जेब इतनी छोटी होती है कि उसमें मोबाइल तक ठीक से नहीं आता है। जबकि पुरुषों की जेब बड़ी होती है। ऐसे में आपको अलग से हैंडबैग खरीदना पड़ता है, जो कि एक आपका एक्स्ट्रा खर्च है। इसी तरह स्किन केयर, फैशियल, लेजर हेयर रिमूवल और दूसरे ब्यूटी ट्रीटमेंट भी लगातार खर्च बढ़ते रहते हैं।

कंपनियां ऐसा क्यों करती हैं

ऐसा कहा जाता है कि महिलाओं के प्रोडक्ट में अलग डिजाइन, खुशबू, पैकेजिंग या फिनिशिंग होती है। यही वजह है कि इनका रेट हाई होता है, लेकिन सच तो यह है कि ज्यादातर मामलों में फर्क सिर्फ मार्केटिंग का होता है। पैकेजिंग को अट्रैक्टिव दिखाना और टीवी-अखबारों में विज्ञापन दिखाकर महिलाओं के मन में यह बात बेटा दी जाती है कि उनके लिए अलग से सामान बनाना कितना जरूरी है। इसी चक्कर में महिलाएं बिना किसी दूसरे सामान से तुलना किए, खुशी-खुशी ज्यादा पैसे दे देती हैं।



किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना

पहले घरों की रंगाई-पुताई करवा रहे हैं, तो यह टिप्स आपको जरूर जानना चाहिए। क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपको घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समुद्रिदायक रंगों को, और पाए वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

- घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाने हैं।
- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तफिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हालांकि यह मेदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाए रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफ़ी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तब संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।



बदलते दौर की नई पसंद, लिव-इन से ज्यादा सिंगल लिविंग चुन रही हैं लड़कियां

आजकल की लड़कियां अकेले रहने को अपनी पहली प्राथमिकता दे रही हैं। उन्हें अपनी जिंदगी किसी के साथ बिताने के बजाय अकेले गुजारना ज्यादा अच्छा लग रहा है।

पहले के समय में महिलाओं के लिए शादी को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा दोनों लिहाज से जोड़ा जाता था। बेटे समय पर दिया हो जाए, पहले के लोगों की यही मेटालिटी हुआ करती थी। लेकिन कुछ सालों से आधुनिक दौर में इसका उल्टा हो रहा है। अब अधिकतर महिलाओं की प्राथमिकताएं बदलती जा रही हैं। वे अब समाज के दबाव या जोर जबरदस्ती से शादी करने के बजाय अपने फैसले खुद सोच समझ के लेना पसंद कर रही हैं। यही वजह है कि इन दिनों कुछ महिलाओं को शादी ही सब कुछ नहीं लग रहा है। वे अब अकेले रहना प्रिफर कर रही हैं।

फ्रीडम और पूरी आजादी की चाहत

सिंगल लिविंग मानो अब एक ट्रेंड बनता जा रहा है। लड़कियों को अकेले रहना अब बहुत पसंद आ रहा है। सिंगल लिविंग में लड़कियां अपने मन में जो आता है, वो बिना सोचे समझे कर लेती हैं। उन्हें किसी से पूछने की जरूरत या परमिशन की जरूरत नहीं होती है। कुछ महिलाओं को सिंगल लिविंग एक तरह से आजादी की तरह लगता है। वे जहां जाना चाहती हैं, वहां हो आती हैं, लेकिन शादी के बाद ये सब थोड़ा मुश्किल हो सकता है। शादी के बाद महिलाओं को न चाहते हुए भी कहीं न कहीं हर्बैड की राय लेना भी जरूरी लगता है।

खुद फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना

इसके अलावा पहले के समय में लड़कियों को नौकरी करने की या कमाने की इच्छाजत नहीं दी जाती थी, लेकिन आज के बदलते दौर में लड़कियां इंडिपेंडेंट होती जा रही हैं। वे खुद कमाती हैं और अपना घर-खर्च भी खुद से मैनेज कर लेती हैं। इसके साथ ही वे किसी से पैसे मांगने के बजाय खुद ही अपने शौक पूरे करने लगी

हैं। इस वजह से भी उन्हें अपनी लाइफ में किसी दूसरे इंसान की जरूरत महसूस नहीं होती।

रिश्तों में झगड़े और तलाक के मामले देखना सिंगल लिविंग का सबसे बड़ा कारण यह भी है कि जब वे अपने अलग-बगल कुछ ऐसे लोगों को रिलेशनशिप में देख लेती हैं, जिनके बीच आए दिन झगड़े और रिश्तों में दरारें या तलाक जैसे मामले देखने को मिलते हैं। इन सब चीजों से बचने के लिए अधिकतर महिलाएं अकेले रहना ज्यादा पसंद कर रही हैं।

खुद को चुनना बन गया है बेहतरीन ऑप्शन

हालांकि लड़कियों को सिंगल लिविंग करना इसलिए भी पसंद आ रहा है, क्योंकि वे इन सब झंझटों से बचना चाहती हैं। इसका मतलब यह नहीं कि सिंगल लिविंग गलत है या फिर शादी करना गलत है। ऐसी कई महिलाएं हैं जो शादी भी कर रही हैं और लिव-इन में भी रह रही हैं। लेकिन कुछ लड़कियों को अकेले रहना ज्यादा पसंद होता है, इसलिए उनके लिए खुद को चुनना ही सबसे बेहतरीन तीसरा ऑप्शन लगता है।





आईपीएल के 'किंगमेकर' पर बनेगी फिल्म!

ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह

खबरों के मुताबिक, फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ललित मोदी की ज़िंदगी पर एक बड़े बजट की बायोपिक बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण उनके बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया जाएगा।

ललित मोदी की ज़िंदगी के कई पहलुओं पर होगी नजर फिलहाल यह फिल्म लेखन और डेवलपमेंट स्टेज में है। फिल्म की कहानी, स्टारकास्ट, डायरेक्टर और रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म में ललित मोदी की ज़िंदगी को सिर्फ विवादों तक सीमित नहीं रखना चाहते। कहानी में उनके निजी जीवन के साथ-साथ उनके प्रोफेशनल सफर को भी दिखाया जाएगा। फिल्म के जरिए ब्रह्मर के पीछे की सोच और उसे खड़ा करने में ललित मोदी की भूमिका पर भी फोकस किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मेकर्स स्क्रिप्ट पर काफी समय दे रहे हैं, ताकि ललित मोदी की पूरी कहानी को विस्तार से पर्दे पर उतारा जा सके। लेखिका और प्रोड्यूसर स्नेहा राजानी के भी इस बायोपिक के डेवलपमेंट से जुड़े होने की खबर है। खास बात यह है कि जब ललित मोदी ने पहली बार अपनी ज़िंदगी पर फिल्म बनने की जानकारी दी थी, तब स्नेहा राजानी ही इस प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम का नेतृत्व कर रही थी। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

वया ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह?

अब सबसे बड़ा सवाल फिल्म की कास्ट को लेकर है। कुछ साल पहले रणवीर सिंह ने लंदन में एक मुलाकात के दौरान ललित मोदी का किरदार पर्दे पर निभाने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि रणवीर सिंह को इस बायोपिक के लिए फाइनल किया गया है या नहीं। ललित मोदी ने जुन में भी अपनी ज़िंदगी पर बन रही बायोपिक को लेकर जानकारी साझा की थी। ऐसे में अब इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई है।



प्रभास स्टारर 'फौजी' की रिलीज डेट हो सकती है पोस्टपोन

प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' इन दिनों चर्चा में है। हनु राघवपुड़ी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। अब खबर है कि फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'निर्माता फिल्म को फरवरी 2027 में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक रिलीज की नई डेट की घोषणा नहीं हुई है। 'फौजी' की रिलीज आगे बढ़ाने की एक बड़ी वजह फिल्म का लंबा पोस्ट प्रोडक्शन काम बताया जा रहा है। फिल्म का काफी हिस्सा तैयार हो चुका है, लेकिन अभी कुछ हिस्सों की शूटिंग भी बाकी है। प्रभास जल्द ही अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर सकते हैं।

फिल्म में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में हैं 'फौजी' में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में नजर आएंगी। यह उनके लिए खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि वह इस फिल्म के जरिए बड़े परदे पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत कर रही हैं।

अच्छे थ्रिलर में दर्शक हर किरदार पर शक करते हैं, तभी कहानी जुड़ती है

परिणीति चोपड़ा सीरीज 'थक: ट्रस्ट नो वन' में नजर आएंगी। इसमें परिणीति के साथ तश्दिर राज मसीन भी नजर आएंगे। इस सीरीज को लेकर परिणीति ने बातचीत की।

आपके द्वारा एक मां का किरदार निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

इस तरह की कहानी में इमोशन बहुत जरूरी है, लेकिन आप सिर्फ इमोशन के भरसो नहीं चल सकते। किरदार के भीतर लगातार बेवनी है। वह कुछ जानना चाहती है, कुछ ढूँढना चाहती है। मुझे लगता है कि इस किरदार की सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह सिर्फ एक पीड़ित व्यक्ति नहीं है।

वया महिला किरदारों की मजबूत और अलग-अलग परतें इस कहानी को और खास बनाती हैं?

जरूर। मुझे लगता है कि इस स्क्रिप्ट की सबसे खूबसूरत चीज इसकी महिला किरदारों की लेंथरिंग है। वे सिर्फ कहानी को आगे बढ़ाने के लिए मौजूद नहीं हैं। एक अच्छे थ्रिलर की खूबी यही होती है कि आप हर किरदार के बारे में और जानना चाहते हैं।

वया आपको लगता है कि पिता की भूमिका को भी मां जितनी अहमियत मिलनी चाहिए?

मेरे लिए इसका जवाब बिल्कुल स्पष्ट है- पैरेंटिंग 50-50 होनी चाहिए, अगर परिस्थितियाँ इसकी इजाजत देती हैं। बच्चे को दोनों माता-पिता का समय और ध्यान मिलना चाहिए। लेकिन मैं यह भी मानती हूँ कि हर परिवार की परिस्थिति अलग होती है। किसी परिवार में पिता ज्यादा काम कर रहे हो सकते हैं और मां बच्चे के साथ ज्यादा समय बिता रही हो सकती है। किसी दूसरे परिवार में इसका उल्टा हो सकता है।

तो दर्शक बच्चे के साथ वया हुआ के साथ हर किरदार की सच्चाई भी जानना चाहेंगे?

परिणीति: हाँ। यही इसे सिर्फ एक मिरररी से ज्यादा बनाता है। हर किरदार के पीछे एक इमोशनल बैकस्टोरी है और धीरे-धीरे उसकी परतें खुलती हैं। मुझे लगता है कि दर्शक जब किसी थ्रिलर को देखते हुए हर व्यक्ति पर शक करने लगते हैं, तभी वह कहानी उनके साथ वास्तविक रूप से जुड़ती है।



क्या अगली फिल्म में सुपरहीरो का रोल निभाएंगे आमिर खान?

खबर सामने आ रही है कि आमिर खान एक नई सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाब्ली के साथ बातचीत कर रहे हैं।

वया सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे आमिर?

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाब्ली की अगली फिल्म अभी शुरुआती दौर में है और इसकी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। आमिर खान को इस प्रोजेक्ट के लिए अग्रोच किया गया है और उन्होंने इसमें दिलचस्पी भी दिखाई है। हालांकि, उन्होंने अभी फिल्म साइन नहीं की है। बताया जा रहा है कि आमिर खान को इस फिल्म की कहानी, स्क्रिप्ट और मुख्य किरदार को तैयार करने पर काम किया जाएगा। फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने का प्लान है, इसलिए इसके लुक और प्रोडक्शन डिजाइन पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।

साजिद और आर बाब्ली के साथ हो सकती है पहली फिल्म

आमिर खान किसी भी फिल्म को साइन करने से पहले उसकी स्क्रिप्ट पर काफी समय देते हैं। वह तभी किसी प्रोजेक्ट के लिए हाँ करते हैं, जब उन्हें कहानी पूरी तरह पसंद आती है। ऐसे में इस फिल्म को लेकर भी आमिर और मेकर्स के बीच लगातार बातचीत होने की खबर है। अगर यह फिल्म बनती है तो यह आमिर खान की साजिद नाडियाडवाला और आर बाब्ली के साथ पहली फिल्म होगी। आमिर और साजिद काफी समय से दोस्त हैं, लेकिन दोनों ने अब तक साथ में किसी फिल्म पर काम नहीं किया है। वही, आर बाब्ली अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'वीनी कम', 'पा', 'को एंड का', 'पेइमेन' और 'बुप: रिवेज ऑफ द आर्टिस्ट' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। ऐसे में आमिर के साथ उनका सुपरहीरो प्रोजेक्ट इस जॉनर से कुछ अलग हो सकता है।

इस फिल्म पर काम कर रहे हैं आमिर

आमिर की फिलहाल पक्की फिल्म 'लतका' है, जिसका निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। यह पीरियड स्पॉट्स ड्रामा 1952 की चर्चित भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज पर आधारित है। इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद आमिर के राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम करने की भी खबर है।



भारत-पाकिस्तान के बैकड्रॉप पर बनी है फिल्म 'उड़ता तीर'

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आती फिल्म को लेकर मेकर्स ने अब तक कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं रखी है। हालांकि, फिल्म से जुड़े सूत्रों से बातचीत में कहानी और किरदारों को लेकर कुछ अहम जानकारी सामने आई है। फिल्म की पृष्ठभूमि भारत और पाकिस्तान से जुड़ी जरूर है।

भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि में काव्यनिक कहानी

फिल्म में भारत और पाकिस्तान की पृष्ठभूमि कहानी का अहम हिस्सा है। यह पूरी तरह काव्यनिक कहानी है, जिसे भारत-पाकिस्तान के संदर्भ में विकसित किया गया है। यही वजह है कि इसे हाल के दौर की उन फिल्मों से अलग माना जा रहा है, जिनकी कहानियाँ वास्तविक घटनाओं या रूयन अभियानों से प्रेरित रही हैं।

फिल्म में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना फिल्म में आयुष्मान महत्वपूर्ण भूमिका में हैं और कहानी की मुख्य घटनाएं उनके किरदार के आसपास आगे बढ़ती हैं। इसकी वजह कहानी में

मौजूद दिवसट बताए जा रहे हैं। इसी वजह से आयुष्मान के डबल रोल में होने की भी संभावना बताई जा रही है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह कंफर्म नहीं है।

सारा का किरदार डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा

सारा फिल्म में एक कामकाजी महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका संबंध डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा बताया जा रहा है। यानी उनका किरदार सिर्फ घर या किसी पुरुष किरदार के आसपास सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म की पेशेवर दुनिया का हिस्सा है। उनके किरदार की पूरी भूमिका अभी सामने नहीं आई है।



लाउड नहीं, सिचुएशनल कॉमेडी पर फोकस करेगी यह फिल्म

फिल्म का टोन इसे खास बनाता है। भारत-पाकिस्तान का बैकड्रॉप और डिफेंस से जुड़ी कहानी देखकर इसे गंभीर वॉर फिल्म या सीधी कॉमेडी समझना आसान हो सकता है। फिल्म में ड्रामा और कॉमेडी साथ-साथ चलती है। इसका हास्य लगातार पंचलाइन या वन-लाइनर्स पर बेस्ड नहीं है। 'बुरखर' जैसी फिल्मों से अलग है कहानी इसमें डिफेंस से जुड़ी दुनिया होने के बावजूद ड्रामा और कॉमेडी को भी बराबर जगह दी गई है। इसलिए इसे 'बुरखर' जैसे युद्ध बेख प्रोजेक्ट के साथ रखना सही नहीं है।

मुंबई से दिल्ली-पनसीआर तक हुई इस फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग मुंबई और दिल्ली में हुई है। दिल्ली-पनसीआर में भी इसके कई हिस्से शूट किए गए। खास तौर पर गुरुग्राम के एक कॉलेज की लोकेशन का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा वहां आमी बेस जैसा सेटअप भी तैयार किया गया था। फिल्म की दुनिया में सामान्य शहरी लोकेशन के साथ डिफेंस से जुड़े हिस्सों की भी जगह दी गई है।



